मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

# BSKC-131

## बी. ए. ( जनरल ) ( बी.ए.जी. )

## सत्रांत परीक्षा

## दिसम्बर, 2022

## बी.एस.के.सी.-131 : संस्कृत पद्य साहित्य

*समय : 3 घण्टे* *अधिकतम अंक : 100*

---

***नोट :*** *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। दिये गये निर्देशों के अनुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

### खण्ड—क

### ( व्याख्यात्मक प्रश्न )

1. अधोलिखित श्लोकों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : $3 \times 15 = 45$

(क) प्रजानामेव भूत्यर्थं स ताभ्यो बलिमग्रहीत।
सहस्रगुणमुत्स्रष्टुम् आदत्ते हि रसं रविः

**अथवा**

मन्त्रो योध इवाधीरः सर्वाङ्गैः संवृतैरपि।
चिरं न सहते स्थातुं परेभ्यो भेद शंकया

(ख) विपक्षमखिलीकृत्य प्रतिष्ठा खलु दुर्लभा।

अनीत्वा पङ्कतां धूलिमुदकं नावतिष्ठते

**अथवा**

वागर्थाविव सम्पृक्तौ वागर्थ प्रतिपत्तये।

जगतः पितरौ वन्दे पार्वती परमेश्वरौ

(ग) अज्ञः सुखमाराध्यः सुखतरमाराध्यते विशेषज्ञः।

ज्ञानलव दुर्विदग्धं ब्रह्मापि नरं न रञ्जयति

**अथवा**

स्वायत्तमेकान्तगुणं विधात्रा

विनिर्मितं छादनमज्ञतायाः।

विशेषतः सर्वविदां समाजे

विभूषणं मौनमपण्डितानाम्

## खण्ड—ख

## ( दीर्घ उत्तरीय प्रश्न )

**नोट :** निम्नलिखित में से प्रत्येक के उत्तर लगभग **1000** शब्दों में लिखिए। 2×15=30

2. खण्डकाव्य का क्या स्वरूप होता है ? इसकी उत्पत्ति और विकास का वर्णन कीजिए।

**अथवा**

कालिदास की काव्यकला पर प्रकाश डालिए।

3. किन्हीं **तीन** श्लोकों को उद्धृत करते हुए 'नीतिशतकम्' की विशेषता का वर्णन कीजिए।

**अथवा**

पठित अंश के आधार पर रामायण और महाभारत की विषय-वस्तु पर प्रकाश डालिए।

## खण्ड—ग

## ( लघु उत्तरीय प्रश्न )

**नोट :** निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के ही उत्तर देने हैं। प्रत्येक का उत्तर लगभग **200** शब्दों में लिखिए। 5×5=25

4. 'किरातार्जुनीयम्' महाकाव्य का परिचय लिखिए।

5. मुक्तक काव्य पर प्रकाश डालिए।

6. 'रावणवध' महाकाव्य का परिचय लिखिए।

7. 'नीतिशतकम्' में मूर्खता के विषय में क्या-क्या कहा गया है ? वर्णन कीजिए।

8. 'रघुवंश' के आधार पर राजा के रूप में राम का चरित्र-चित्रण कीजिए।

9. महाकवि कालिदास की प्रशस्तियाँ लिखिए।

10. 'शिशुपालवधम्' की उपजीव्यता एवं उसके नामकरण की सार्थकता पर प्रकाश डालिए।